5. मनुष्य-मनुष्य के भेदभाव को दूर करने के लिए कबीर के तर्कसंगत विचार लिखिए।

6. नागमती का विरह वर्णन अत्यन्त हृदयस्पर्शी है। उदाहरण सहित लिखिए।

7. विद्यापति को साधक कहना उचित है या श्रृंगारिक कवि। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

8. 'पृथ्वीराज रासो' में युद्ध वर्णन की जीवन्तता पर उदाहरण सहित विचार प्रकट कीजिए।

9. मीरां की भक्तिभावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।



# MAHD–01

## June – Examination 2022

## M.A. (Previous) Examination

## HINDI

## (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

## Paper : MAHD-01

*Time : 1½ Hours* ] [ *Maximum Marks : **80***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **4×4=16**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) चन्दबरदाई किस सम्राट के दरबार में रहते थे ? उनके महाकाव्य का नाम लिखिए।

(ii) 'कीर्तिलता' और 'कीर्ति पताका' के रचयिता का नाम बताइये।

(iii) रासो किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'मैथिली कोकिल' के नाम से किस कवि को जाना जाता है ?

(v) कबीरदास को भाषा का डिक्टेटर किसने कहा ?

(vi) मसनवी क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(vii) जायसी के 'पद्मावत' की भाषा कौनसी है ?

(viii) कवि बिहारी का किस राजदरबार से सम्बन्ध था ?

**खण्ड—ब** **4×16=64**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्य-खण्ड की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कनवज्जह जपचंद। चल्यो दिल्लीपति षिष्पन।
चंद वरट्टिय तथ्य। सथ्य सामंत सूर घन॥
चाहु आन कुटुंभ। गौर गाजी बड़गुज्जर॥



जादव रा रघुवंश। पार पूंडीरति पष्षर॥
इतने सहित भूपति छड्यो। उडी रेनु छीनौ नाभो।
इक लष्ष लष्ष वर लेशिए। चले सथ्य रजपूतर्सी॥

3. निम्नलिखित पद्य-खण्ड की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान॥
हस्ती चढ़िये ज्ञान की, सहज दुलीचा डारि।
स्वान रूप संसार है, भूँकन दै झक मारि॥

4. निम्नलिखित पद्य-खण्ड की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पीउ वियोग अस बाउर जीऊ। पपीहा निति बोले पिउ पिउ।
अधिक काम दाधे सो रामा। हरि लेइ सुवा गएउ पिय नामा।
बिरह बान तस लाग न डोली। रकत पसीज, भीजि गइ चोली।
सूखा हिया, हार भा भारी। हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी।
खन एक आव पेट मँह साँसा। खनहिं जाइ जिउ होइ निरासा।
पवन डोलावहिं सींचहि चोला। पहर एक समुझहिं मुख डाला।
प्रान पयान होत को राखा! को सुनाव पीतम कै भाखा।
आगि जो मारै बिरह कै, आगि उठै तेहि लागा।
हंस जो रहा सरीर मँह, पाँख जरा जा भागि॥